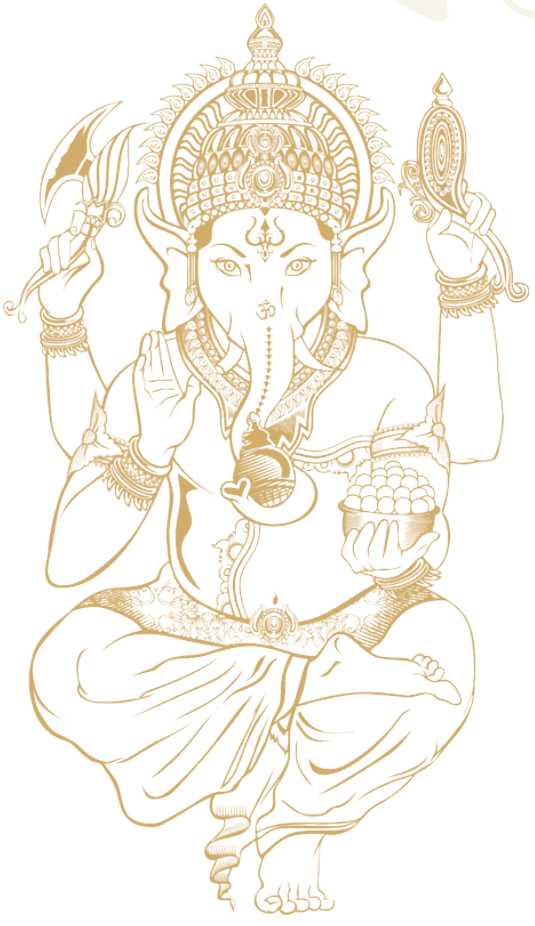

Mr.puja yaadav

02 Jun 2004

06:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119677203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/06/2004**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	31:31:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल	10:24:08 घंटे
सूर्योदय	05:23:33 घंटे
सूर्यास्त	19:14:58 घंटे
दिनमान	13:51:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:23:00 वृष
लग्न के अंश	03:13:53 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

महन्त श्री पं जितेन्द्र कुमार शास्त्री S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा
श्री दोघडीया माता मंदिर नारायणपुर रोड़ निमडी सुरजनपुर थानागाजी
9414960706/ 9829674714
panditjidhogadyama@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:13:53	306:52:51	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृष	18:23:00	00:57:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	09:00:03	15:07:52	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			मिथु	22:37:43	00:37:51	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृष	00:33:29	01:46:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	16:11:09	00:04:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		वृष	27:31:05	00:33:46	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	18:21:20	00:07:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	17:05:21	00:02:23	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	17:05:21	00:02:23	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:51:12	00:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:24:34	00:00:30	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:13:36	00:01:34	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	10:13:47	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:56

लग्न-चलित

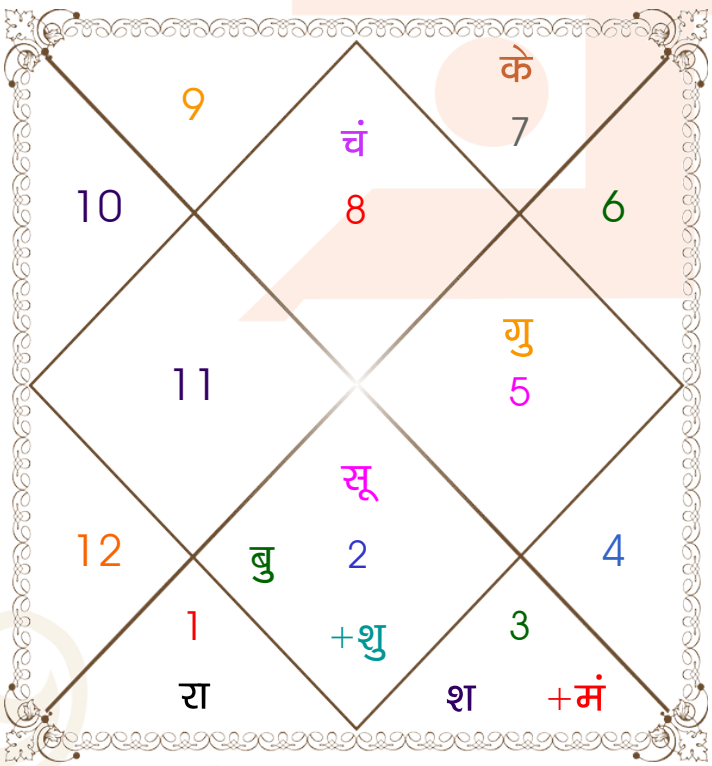

चन्द्र कुंडली

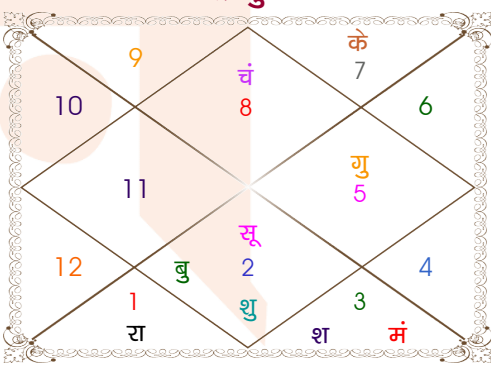

नवमांश कुंडली

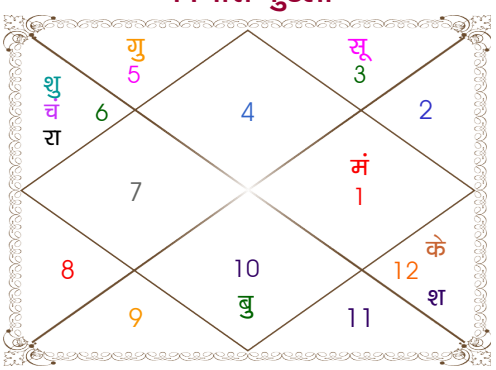

महन्त श्री पं जितेन्द्र कुमार शास्त्री S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा
श्री दोघडीया माता मंदिर नारायणपुर रोड़ निमडी सुरजनपुर थानागाजी
9414960706/ 9829674714
panditjidhogadyama@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 11 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/06/2004		06/05/2015		05/05/2032		06/05/2039		06/05/2059	
06/05/2015		05/05/2032		06/05/2039		06/05/2059		06/05/2065	
	00/00/0000	बुध	02/10/2017	केतु	02/10/2032	शुक्र	05/09/2042	सूर्य	24/08/2059
	00/00/0000	केतु	29/09/2018	शुक्र	02/12/2033	सूर्य	05/09/2043	चंद्र	22/02/2060
	02/06/2004	शुक्र	30/07/2021	सूर्य	09/04/2034	चंद्र	06/05/2045	मंगल	29/06/2060
शुक्र	27/04/2006	सूर्य	05/06/2022	चंद्र	08/11/2034	मंगल	06/07/2046	राहु	24/05/2061
सूर्य	09/04/2007	चंद्र	05/11/2023	मंगल	06/04/2035	राहु	06/07/2049	गुरु	12/03/2062
चंद्र	07/11/2008	मंगल	01/11/2024	राहु	23/04/2036	गुरु	06/03/2052	शनि	22/02/2063
मंगल	17/12/2009	राहु	21/05/2027	गुरु	30/03/2037	शनि	06/05/2055	बुध	30/12/2063
राहु	23/10/2012	गुरु	26/08/2029	शनि	09/05/2038	बुध	06/03/2058	केतु	05/05/2064
गुरु	06/05/2015	शनि	05/05/2032	बुध	06/05/2039	केतु	06/05/2059	शुक्र	06/05/2065

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/05/2065		06/05/2075		06/05/2082		06/05/2100		06/05/2116	
06/05/2075		06/05/2082		06/05/2100		06/05/2116		00/00/0000	
चंद्र	06/03/2066	मंगल	02/10/2075	राहु	16/01/2085	गुरु	25/06/2102	शनि	10/05/2119
मंगल	05/10/2066	राहु	20/10/2076	गुरु	12/06/2087	शनि	05/01/2105	बुध	17/01/2122
राहु	05/04/2068	गुरु	26/09/2077	शनि	18/04/2090	बुध	13/04/2107	केतु	26/02/2123
गुरु	05/08/2069	शनि	05/11/2078	बुध	04/11/2092	केतु	19/03/2108	शुक्र	03/06/2124
शनि	06/03/2071	बुध	02/11/2079	केतु	23/11/2093	शुक्र	18/11/2110		00/00/0000
बुध	05/08/2072	केतु	30/03/2080	शुक्र	22/11/2096	सूर्य	06/09/2111		00/00/0000
केतु	06/03/2073	शुक्र	30/05/2081	सूर्य	17/10/2097	चंद्र	05/01/2113		00/00/0000
शुक्र	05/11/2074	सूर्य	05/10/2081	चंद्र	18/04/2099	मंगल	12/12/2113		00/00/0000
सूर्य	06/05/2075	चंद्र	06/05/2082	मंगल	06/05/2100	राहु	06/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 10 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

महन्त श्री पं जितेन्द्र कुमार शास्त्री S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा
श्री दोघडीया माता मंदिर नारायणपुर रोड़ निमडी सुरजनपुर थानागाजी
9414960706/ 9829674714
panditjidhogadyama@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।